University in News on 03 April 2025

i-NEXT PAGE 5

फिलॉसफी के स्टूडेंट्स भी अब पढ़ेंगे एनवायरमेंटल पॉलिसीज

GOOD NEWS

LUCKNOW (2 April): आज के टाइम में बढ़ रहे एनवायरमेंटल इश्यूज और पॉलिसीज को फिलॉसफिकल व्यू से समझने और उस पर स्टडी करने के उद्देश्य से लखनऊ यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ फिलॉसफी नए सेशन से यूजी लेवल पर 3 नए पेपर्स एड करने जा रहा है. जिससे स्टूडेंट्स न सिर्फ एनवायरमेंटल इश्यूज के बारे में बल्कि एजुकेशन के साथ ही कई रिसर्च मैथड्स के बारे में भी पढ़ेंगे.

- डिपार्टमेंट ऑफ फिलॉसफी ने यूजी में एड किए 3 नए पेपर्स
- एनईपी के तहत 1 साल में मास्टर्स कर पाएंगे स्टूडेंट्स

ये नए पेपर होंगे एड

1 फिलॉसफी ऑफ एजुकेशन

डिपार्टमेंट की हेड प्रो. रजनी श्रीवास्तव ने बताया कि नए सेशन से ग्रेजुएशन में फिलॉसफी ऑफ एजुकेशन पेपर भी पढ़ाया जाएगा. जिससे स्टूडेंट्स एजुकेशनल मैथड्स और उनके फिलॉसफिकल आस्पेक्ट्स के बारे में पढ़ेंगे.

2 फिलॉसफी ऑफ योगा

इस पेपर के तहत अलग-अलग योगा फॉर्म्स, उनके फिलॉसफिकल आस्पेक्ट्स के बारे में जानेंगे. प्रो. रजनी के मुताबिक, इस पेपर में इंडियन ट्रेडिशनल योगा को भी शामिल किया गया है.

3 लॉजिकल क्वेरी एंड प्रपोजनल थ्योरी

स्टूडेंट्स में फिलॉसफिकल व्यू के साथ ही क्रिटिकल और लॉजिकल थिंकिंग क्रिएट करने और विभिन्न थ्योरीज के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से इस नए पेपर को कोर्स में शामिल किया गया है.

वोकेशनल कोर्स भी शामिल

डिपार्टमेंट की हेड प्रो. रजनी ने बताया कि फिलॉसफी में वोकेशनल कोर्स के तहत एनवायरमेंटल इश्यूज एंड पॉलिसीज को शामिल किया गया है. जिससे स्टूडेंट्स न सिर्फ पर्यावरण में होने वाली समस्याओं के बारे में जानेंगे बल्कि इनसे निपटने के तरीकों के बारे में भी पढ़ेंगे. एनईपी 2020 के तहत फिलॉसफी डिपार्टमेंट भी 1 साल के मास्टर्स की शुरुआत करने जा रहा है.

प्री पीएचडी कोर्स वर्क शुरू

फिलॉसफी से पीएचडी करने वाले स्टूडेंट्स का प्री पीएचडी कोर्स वर्क शुरू हो गया है. जिसमें साइंटिफिक मैथड एंड पब्लिकेशन एथिक्स, रिसर्च मैथडोलॉजी और कंटेम्परेरी इश्यूज जैसे पेपर शामिल हैं.

स्टूडेंट्स को फिलॉसफी के अलग आस्पेक्ट्स से परिचित करवाने और आस-पास के इश्यूज के बारे में जानकारी देने के लिए हमने यूजी लेवल पर कुछ नए पेपर्स एड किए हैं. इसके साथ ही वोकेशनल कोर्स से स्टूडेंट्स के ओवरऑल डेवलपमेंट में हेल्प मिलेगी. प्रो. रजनी श्रीवास्तव, हेड, डिपार्टमेंट ऑफ फिलॉसफी, एलयू

योग से हीमोग्लोबिन बढ़ाने पर की जाएगी स्टडी

LUCKNOW (2 April): योग कई प्रॉब्लम्स का एक सॉल्यूशन साबित हो सकता है. इसके इम्पेक्ट को देखते हुए मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ एक स्टडी करने जा रहा है, जिसमें योग के माध्यम से हीमोग्लोबिन बढ़ाने पर फोकस किया जाएगा. इस स्टडी में लखनऊ यूनिवर्सिटी के योग डिपार्टमेंट के हेड प्रो. अमरजीत यादव को-इंवेस्टिगेटर के तौर पर सहयोग करेंगे.

योग से मिलेगी हेल्प

एलयू के प्रोफेसर डॉ. अमरजीत यादव का कहना है कि ऐसी कई सारी समस्याएं हैं, जिनमें योग एक मेडिसिन के तौर पर काम करता है. हालांकि, इसके साथ में बाकी के प्रीकॉशंस और डायट और मेडिसिन भी जरूरी हैं. प्रो. अमरजीत ने बताया कि इस स्टडी का मुख्य उद्देश्य शरीर में रक्त की कमी को योगभ्यास के माध्यम से दूर करने के बारे में अध्ययन करना है. योग के कुछ विशेष आसन, प्राणायाम, मुद्रा, बंध, ध्यान और योगिक आहार के माध्यम से बॉडी में हीमोग्लोबिन लेवल बढ़ाया जा सकता है.

ये योग हो सकते हैं मददगार

प्रो. अमरजीत के मुताबिक, ताड़ासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, सर्वांगासन, अनुलोम-विलोम प्राणायाम और योग निद्रा एवं ओम मेडिटेशन जैसे आसनों और प्रक्रियाओं की मदद से हीमोग्लोबिन लेवल को बढ़ाने में हेल्प मिल सकती है बशर्ते आप एक बेहतरीन डायट को अपनी डेलीलाइफ में शामिल करके उसे बैलेंस रखें.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि: सात कोर्स के परीक्षा परिणाम घोषित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने विषम सेमेस्टर के सात कोर्सों के परीक्षा परिणाम बुधवार को घोषित कर दिए। विद्यार्थी लविवि की वेबसाइट पर लाइब्रेरी में स्नातक और परास्नातक, एमएससी केमेस्ट्री, बीए और बीएससी एनईपी व नॉन एनईपी विषय के रिजल्ट देख सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि परिणाम में किसी तरह की त्रुटि होने पर विद्यार्थी परीक्षा विभाग में संपर्क कर सकते हैं। (संवाद)

कला महाविद्यालय का होगा जीर्णोद्धार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प महाविद्यालय के दिन बहुरने वाले हैं। यहां की खस्ताहाल इमारत के जीर्णोद्धार के लिए राज्य सरकार ने पांच करोड़ रुपये से अधिक के बजट को मंजूरी दी है। पहले चरण में ढाई करोड़ से ज्यादा की रकम जारी कर दी गई है। इससे भवनों के रख-रखाव और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा। कला एवं शिल्प महाविद्यालय की स्थापना 1892 में हुई थी और 1974 से यह लविवि का हिस्सा है। महाविद्यालय लंबे समय से सरकार से इसके पुनरुद्धार की मांग कर रहा था। प्राचार्य डॉ. रतन कुमार ने बताया कि प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा महेंद्र प्रसाद अग्रवाल के सहयोग से मंजूरी संभव हुई है। बजट से महाविद्यालय में आधुनिक कक्षाओं का निर्माण और मौजूदा ढांचे में सुधार कराया जाएगा। (संवाद)

5 कोर्सेज का रिजल्ट किया गया जारी

LUCKNOW : लखनऊ यूनिवर्सिटी ने बुधवार को विषम सेमेस्टर के रिजल्ट जारी करते हुए बीलिब, एम लिब, बीएससी, एमएससी और बीए के रिजल्ट जारी कर दिए हैं. स्टूडेंट्स यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर रिजल्ट चेक कर सकते हैं.

छात्र को पड़ा दौरा, पहुंचाया डिस्पेंसरी

लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग में बुधवार को एमएससी चौथे सेमेस्टर का छात्र प्रशांत मिड-सेमेस्टर टेस्ट देने आया था. परीक्षा के दौरान उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर गया. बताया गया कि उसे दौरा पड़ा था. वहां मौजूद शिक्षकों ने तुरंत एंबुलेंस बुलाई, लेकिन उसकी बैटरी खराब होने के कारण वह चालू नहीं हो सकी. ऐसे में शिक्षक अपनी गाड़ी से प्रशांत को विश्वविद्यालय की डिस्पेंसरी लेकर पहुंचे. वहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया.

HINDUSTAN PAGE 8

आर्ट्स कॉलेज पांच करोड़ से संवरेगा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प महाविद्यालय के पुनरुद्धार के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने 511.67 लाख की मंजूरी दी है। पहले चरण में 255.83 लाख की धनराशि जारी की गई है। इस राशि का इस्तेमाल भवनों के रख-रखाव और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा। कॉलेज की स्थापना 1892 में हुई थी और 1974 से यह लखनऊ विश्वविद्यालय का हिस्सा है। कॉलेज ने पहले भी पुनरुद्धार के लिए सरकार से मांग की जाती रही थी।

प्राचार्य डॉ. रतन कुमार ने बताया कि प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा महेंद्र प्रसाद अग्रवाल के सहयोग से मंजूरी संभव हुई। शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

योगाभ्यास से खून की कमी दूर करने पर अध्ययन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव को शरीर में रक्त की कमी को योगाभ्यास के माध्यम से दूर करना विषय पर अध्ययन के लिए सह अन्वेषक बनाया गया है। वह मेदांता अस्पताल की ओर से किए जा रहे अध्ययन में मदद करेंगे। डॉ. अमरजीत यादव का दावा है कि रोजाना योग से शरीर में हीमोग्लोबिन में बढ़ोतरी हो सकती है। योग के विभिन्न आसन जैसे प्राणायाम, मुद्रा, बंध, ध्यान सहायक हो सकते हैं।

PIONEER PAGE 3

...तो इस बार, तापमान व बारिश दोनों सामान्य रहेगी

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अलर्ट के बीच लविवि के भू-वैज्ञानिक का दावा

● प्रशान्त महासागर में बन रहा ला नीना इफेक्ट बनायेगा मौसम को अनुकूल

सतीश सिंह। लखनऊ

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा अप्रैल से जून के बीच हीट वेव चलने को लेकर जारी अलर्ट के बीच इससे निपटने के लिए सरकार ने तैयारियां तेज कर दी है। इस बीच लखनऊ विश्वविद्यालय के भूगर्भ विज्ञान विभाग के भू-वैज्ञानिक प्रो. अजय आर्या ने दावा किया है कि इस बार तापमान व बारिश दोनों सामान्य रहेंगे। इसके पीछे उन्होंने प्रशांत महासागर में बन रहे ला-नीना इफेक्ट को मुख्य वजह बताया है।

इस बार मार्च के अंतिम और अप्रैल के शुरुआती के होने के बीच ही चारा लगातार बढ़ रहा है। प्रदेश के कुछ हिस्सों में मौसम का तापमान 40 पार कर गया है। इस बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अलर्ट को देखते हुए प्रदेश की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने भी निपटने की तैयारी शुरू कर दी है। वहीं मौसम के इस अलर्ट को लेकर भूगर्भ विज्ञान विभाग के भू-वैज्ञानिक प्रो. अजय आर्या का कहना है कि इस साल भारत के लिए अच्छी खबर है। सामान्य चारित्र आलधिक गर्मी पड़ने की संभावना वहीं है क्योंकि मौसम का निर्धारण प्रशान्त महासागर से उठने वाली हवाओं पर निर्भर होता। यह हवाएं दो चरणों में उठती हैं जिनमें एक अल-नीनो और दूसरा ला-नीना। पिछली बार अल-नीनो इफेक्ट के चलते दिक्कत हुई थी, लेकिन इस बार ला-नीना इफेक्ट है। पड़ने और गर्मी के ज्यादा बढ़ने के बारे में पहले पर डॉ. आर्या का कहना है कि ठंड कम पड़ने के इस बार अलग कारण थे।

ठंड का हमारे देश में प्रभाव हिमालय से चलने और सर्दाने वाली हवाओं पर निर्भर होता है। चूंकि पहाड़ों में इस बार बर्फबारी औसमन कम दर्ज हुई है तो मध्य भारत, गंगा का मैदानी इलाका, जहां हम बैठे हुए हैं, वहां ठंड नहीं पड़ी।

हीटवेव को राज्य स्तरीय आपदा घोषित कर बना रही एक्शन प्लान सरकार

प्रदेश में 2025 में हीट वेव की गंभीर स्थिति को देखते हुए योगी सरकार ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, इस साल पहले से अधिक तापमान और हीटवेव वाले दिनों में वृद्धि की आशंका है। इसे ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले ही लू-प्रकोप को राज्य स्तरीय आपदा घोषित कर दिया है। इसके तहत प्रदेश स्तरीय हीटवेव एक्शन प्लान तैयार किया गया है, जिसे सभी जनपदों में लागू करने की तैयारी चल रही है। आगरा, झांसी और लखनऊ जैसे तीन प्रमुख शहरों के लिए अलग से सिटी हीटवेव एक्शन प्लान भी तैयार किए गए हैं। वहीं हीटवेव से निपटने के लिए क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण पर भी ध्यान दिया जा रहा है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) ने सभी विभागों, स्टेकहोल्डर्स और जनपदों के साथ बैठकें और प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए हैं। राज्य स्तर पर राहत आयुक्त और जनपद स्तर पर एडीएम (एफ/आर) को हीटवेव प्रबंधन के लिए नोडल अधिकारी नामित किया गया है। साथ ही राहत आयुक्त कार्यालय में हीटवेव से संबंधित सूचनाओं और सहायता के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इसके साथ ही हेल्पलाइन नंबर 1070 भी सक्रिय कर दिया गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर लोग तुरंत मदद ले सकें।

यह है अल-नीनो और ला-नीना

अल नीनो और ला नीना, उष्णकटिबंधीय प्रशांत क्षेत्र में होने वाले जलवायु पैटर्न के गर्म और ठंडे चरण हैं। इन्हें अल नीनो-दक्षिणी दोलन से भी जाना जाता है। ये पैटर्न अनियमित रूप से बदलते रहते हैं। अल नीनो में भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में समुद्र का तापमान सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है। ला नीना में भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में समुद्र का तापमान सामान्य से ज्यादा ठंडा हो जाता है। अल नीनो को गर्म चरण कहा जाता है। जबकि ला नीना को ठंडा चरण कहा जाता है। ये घटनाएं आमतौर पर उत्तरी गोलार्ध के वसंत-गर्मियों में विकसित होती हैं और सर्दियों में चरम पर होती हैं। अल नीनो 18 महीने तक और ला नीना तीन साल तक रह सकता है।

JAGRAN CITY PAGE III

योग से बढ़ेगा हीमोग्लोबिन मेदांता करेगा अध्ययन

जागरण संवाददाता ● लखनऊ: शरीर में खून की कमी को योगाभ्यास से दूर करने के लिए मेदांता अस्पताल एक महत्वपूर्ण अध्ययन करेगा। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग, फैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के शिक्षक डा. अमरजीत यादव को सह-अन्वेषक के रूप में नामित किया गया है।

रक्तदान करने के लिए रक्तदाता का हीमोग्लोबिन स्तर कम से कम 12.5 ग्राम प्रति डेसीलीटर होना आवश्यक है। ऐसे लोग जिनमें हीमोग्लोबिन इससे कम होता है, वे रक्तदान नहीं कर सकते। इस अध्ययन का उद्देश्य योग और प्राकृतिक तरीकों से शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाना है, ताकि अधिक लोग रक्तदान कर समाज की सेवा कर सकें। इस अध्ययन में योग के विभिन्न आसन, प्राणायाम, मुद्रा, बंध, ध्यान और योगिक आहार को शामिल किया जाएगा। डा. अमरजोत यादव ने बताया कि नियमित योगाभ्यास से शरीर में आक्सीजन आपूर्ति बेहतर होती है, जिससे लाल रक्त कोशिकाओं का उत्पादन बढ़ता है। विशेष रूप से सूर्य नमस्कार, भस्त्रिका, अनुलोम-विलोम, मंडूकासन और शीतली प्राणायाम जैसे लविवि के फैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के शिक्षक डा. अमरजीत को सह-अन्वेषक के रूप में नामित किया गया है।

योग अभ्यास हीमोग्लोबिन स्तर को बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। योगिक आहार में आयरन, विटामिन-सी और प्राकृतिक पोषक तत्वों से भरपूर भोजन शामिल किया जाएगा, जिससे शरीर में रक्त की मात्रा बढ़े। जैसे पालक, चुकंदर, अनार, गुड़, खजूर और भिगोए हुए बादाम का सेवन फायदेमंद होगा।

इस अध्ययन के सफल होने पर हीमोग्लोबिन की कमी से जूझ रहे लोग भी योग और सही आहार अपनाकर रक्तदान करने में सक्षम हो सकेंगे। यह शोध योग और चिकित्सा विज्ञान के अद्भुत मेल को दर्शाएगा और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेगा।

छात्र को पड़ा दौरा, शिक्षकों ने पहुंचाया डिस्पेंसरी

जासं ● लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग में बुधवार को एम.एससी चौथे सेमेस्टर का छात्र प्रशांत मिड-सेमेस्टर टेस्ट देने आया था। परीक्षा के दौरान उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और वह बेहोश हो गया। शिक्षकों ने बताया कि उसे दौरा पड़ा था। उन्होंने एंबुलेंस बुलाई, लेकिन उसकी बैटरी खराब होने के कारण वह चालू नहीं हो सकी। ऐसे में शिक्षक अपनी गाड़ी से प्रशांत को विश्वविद्यालय की डिस्पेंसरी लेकर पहुंचे। वहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया। कुछ देर बाद वह ठीक महसूस करने लगा।

लवि : विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के परिणाम जारी

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने कई और विषम सेमेस्टर 2024 की परीक्षाओं के परिणाम बुधवार को घोषित कर दिए हैं। सभी छात्र-छात्राएं अपने परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर देख सकते हैं। घोषित परीक्षाओं में एम.लिब, बी.लिब, एम.एससी (रसायन विज्ञान), बी.एससी (नान-एनईपी) और बी.ए. (नान-एनईपी) पाठ्यक्रम शामिल हैं। (जासं)

AMRIT VICHAR PAGE 7

एंथ्रोपोलॉजी में भारतीयता के 'आदिपुरुष' भी होंगे शामिल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एंथ्रोपोलॉजी के तहत मानव सभ्यता और उसकी आनुवांशिकी का किया जाता है अध्ययन
- नई शिक्षा नीति के तहत पांच नए प्रश्नपत्रों को किया जा रहा है शामिल

अमृत विचार : मानव और उसकी उत्पत्ति से लेकर सभ्यता, संस्कृति और आनुवांशिकी का समग्रता में अध्ययन का मानवशास्त्र अर्थात एंथ्रोपोलॉजी में किया जाता है। पिछले कुछ दशकों में उच्च शिक्षा में यह विषय बेहद लोकप्रिय साबित हुआ है। लखनऊ विश्वविद्यालय में एंथ्रोपोलॉजी विभाग में सामान्य तौर पर उन्हीं पाठ्यक्रमों को पढ़ाया जाता रहा है जो परंपरागत तौर पर एंथ्रोपोलॉजी विभाग में पढ़ाया जाता है। लेकिन विश्वविद्यालय के विभाग ने अब नया फैसला किया है और पाठ्यक्रम में भारतीय तत्वों को भी शामिल किया जा रहा है। जिसमें भारतीय परिपेक्ष्य में भी मानव की उत्पत्ति उसकी सभ्यता, संस्कृति का अध्ययन किया जाएगा। इसके लिए बाकायदा अलग से प्रश्नपत्र भी बनाए जाएंगे।

एंथ्रोपोलॉजी के परास्नातक पाठ्यक्रम में 5 नए बिंदुओं को शामिल किया गया है। जिनके अलग-अलग प्रश्न पत्र बनाएं जाएंगे। पाठ्यक्रम की खासियत यह है कि इसमें परंपरागत विषयों के साथ आधुनिक और भारतीय एंथ्रोपोलॉजी का भी अध्ययन किया जाएगा। नई शिक्षा नीति के तहत 4 वर्षीय स्नातक करने वाले छात्र 1 साल का परास्नातक कर सकते हैं और उसके बाद शोध में आवेदन कर सकते हैं।

परास्नातक क्रेडिट्स को बढ़ाकर 4 से 8 कर दिया गया है। अब शोध में 200 नंबर मिलेगे। छात्रों को फील्ड विजिट के लिए भी भेजा जाएगा। जिससे उनको जमीन सच्चाई जानने का अवसर मिलेगा। नए परिवर्तन से छात्र अधिक कौशल पूर्ण और जानकार निकलेंगे।

-प्रो. उदय प्रताप
विभागाध्यक्ष, एंथ्रोपोलॉजी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

इन प्रश्नपत्रों को किया गया शामिल

एंथ्रोपोलॉजिकल विरासत और भारतीय ज्ञान परंपरा

इसके अंर्तगत भारतीय ज्ञान परंपरा और एंथ्रोपोलॉजी के इतिहास एवं परंपरा के बारे में पढ़ाया जाएगा।

भारतीय एंथ्रोपोलॉजी

भारत में आदिम जनजातियों और मानव की उत्पति और उनके विकास क्रम के बारे में अध्ययन कराया जाएगा।

पर्यावरण एंथ्रोपोलॉजी

इसके तहत मानव के पर्यावरण के साथ संतुलन और पर्यावरण के साथ मानव विकास का अध्ययन होगा।

ह्यूमन इकोसिस्टम

इसमें मानव इकोसिस्टम के बारे में छात्र पढ़ेंगे और जानेंगे कि ह्यूमन इकोसिस्टम किस तरह से काम करता है, इसका इन्वायरमेंट पर किस तरह से असर पड़ता है।

मेडिकल एंथ्रोपोलॉजी

इसके अंतर्गत एथनो मेडिसिंस के बारे में पढ़ाया जाएगा कि किस तरह से जनजातीय क्षेत्रों में लोग अपनी बनाई हुई जड़ी-बूटी की दवाओं से चिकित्सा करते हैं।

TOI PAGE 3

LU celebrates Hindu New Year with musical event

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University's cultural unit Sanskritiki organised an event on the occasion of Hindu New Year and Chaitra Navratri on the campus on Wednesday.

The programme began with traditional lighting of lamp followed by discussions and artistic performances. Main attractions were dance performance on Ardhanarishwara and a theatrical performance on Ahilyabai Holkar. A series of dance performances dedicated to Goddess Durga included Aigiri Nandini by Anjali Dwivedi, Maa Bhavani by Ananya Singh and Vanshika Srivastava, Mahakali by Suhani, Aayi Jagdambe by Rukmini Nishad and a fusion of contemporary Durga songs by Sneha Sahu and Aakriti Tiwari. The academic session featured a discussion on The Spectrum of Shakti included speakers Ayushi Dwivedi, Devesh Pandey, Anubhav, Vaishnavi, Akshara, Pragya and Omisha Dwivedi.

Students performing at LU

Achyut mesmerised the audience with tabla performance and Swarnim Singh played Raag Durga on the flute. University VC Alok Kumar Rai, Pro VC Manuka Khanna and Sanskritiki Director Anchal Srivastava were present.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

डॉ अमरजीत को सह अन्वेषक किया नामित

लखनऊ। मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ द्वारा एक अध्ययन किया जाना है, जिसका विषय है शरीर में रक्त की कमी को योगाभ्यास के माध्यम से दूर करना। इस स्टडी में योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ के शिक्षक डॉ अमरजीत यादव को सह अन्वेषक नामित किया गया है। बताते चले कि ऐसे रक्त प्रदाता जिनका हीमोग्लोबिन 12.5 ग्राम से कम है। वह रक्तदाता अपना रक्त दान नहीं कर सकते। योग के विभिन्न आसन, प्राणायाम, मुद्रा, बंध, ध्यान एवं योगिक आहार के माध्यम से ऐसे लोगों के शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाया जाएगा, जिससे रक्तदान कर सकते हैं।